

# VISION IAS

www.visionias.in

VISION IAS  
22 AUG 2024 No. 3  
RECEIVED

## GENERAL STUDIES (TEST CODE : 2365)

Name of Candidate	Karmveer Narwadiq		
Medium Eng./Hindi	Hindi	Registration Number	704560
Center	MKN/ 21 Aug 2024	Date	

### INDEX TABLE

Q. No.	Maximum Marks	Marks Obtained
1	10	
2	10	
3	10	
4	10	
5	10	
6	10	
7	10	
8	10	
9	10	
10	10	
11	15	
12	15	
13	15	
14	15	
15	15	
16	15	
17	15	
18	15	
19	15	
20	15	

Total Marks Obtained:

Remarks:

### INSTRUCTIONS

- Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).  
उत्तर पुस्तिका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न-पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।
- There are **TWENTY** questions printed in **HINDI & ENGLISH**.  
इसमें बीस प्रश्न हैं हिन्दी और अंग्रेजी में छपे हैं।
- All questions are compulsory.**  
सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
- The number of marks carried by a question/part is indicated against it.  
प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
- Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other than the authorized one.  
प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
- Word limit in questions, if specified, should be adhered to.  
प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
- Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.  
उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

Is student recommended for One-to-One mentoring?

Recommended

Strongly Recommended

16-B, 2<sup>nd</sup> Floor, Above National Trust Building, Bada Bazar Marg, Old Rajinder Nagar, Delhi-110060

Plot No. 857, 1st Floor, Banda Bahadur Marg (Opp. Punjab & Sind Bank), Dr. Mukherjee Nagar, Delhi- 110009

## EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

**All the Best**

Q1. प्रभावी एवं न्यायसंगत भूमि सुधारों की अनुपस्थिति ने भारत में गरीबी की निरंतरता में कैसे योगदान दिया है?

How has the absence of effective and equitable land reforms contributed to the persistence of poverty in India? (Answer in 150 words) 10

भूमि सुधारों का उद्देश्य सामंती जमींदारी प्रथा को समाप्त करना, काश्तकारों को भूमि अधिकार देना तथा भूमि की उत्पादकता को बढ़ाना था। प्रभावी एवं न्यायसंगत भूमि सुधारों की अनुपस्थिति ने गरीबी की निरंतरता में योगदान दिया।

① भूमि का असमान वितरण के कारण भू-रहित काश्तकारों में गरीबी बनी रही।

② भूमि के वितरण में भी बंजर भूमि को प्रदान किया, जिसकी उत्पादकता काफी कम थी, जिससे गरीबी निरंतर बनी रही।

③ काश्तकार किसान या तो जुताई छोड़ देते हैं और शहरों में प्रवासित होते हैं। असाध्य शहरीकरण से सामाजिक-आर्थिक विकास नहीं होता है।

④ भू-जोत के उच्च किराया के कारण काश्तकार जमींदारों की कुल उत्पादन का

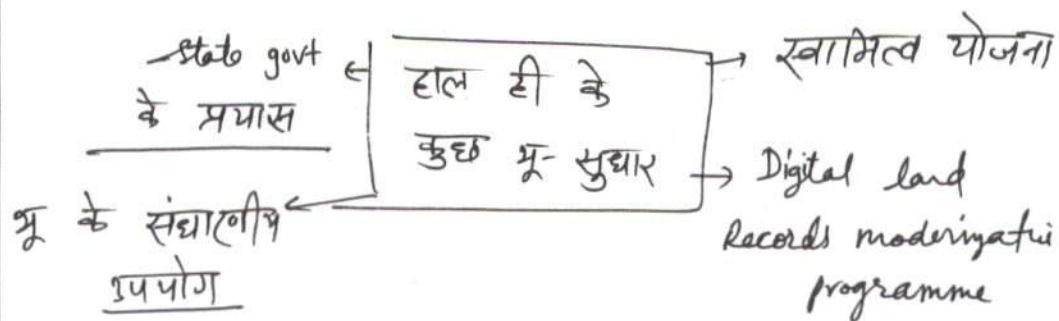
आद्ये से अधिक दिसा या अन्य श्रम द्वारा व्यवस्था प्रारंभ की गई जो शोषणात्मक बनी रही।

(v) भू- सुधारों के अभाव में सरकारी योजनाओं का फायदा जमींदारों को मिला ना कि काश्तकारों को।

Ex - प्रधानमंत्री किसान सम्मान योजना विधि

(vi) किसानों के पास तकनीकी की कमी तथा ऋण पहुँच में कमी इत्यादि ने गरीबी की तीव्रता में वृद्धि की।

(vii) भू- सुधारों से संबंधित कई कानूनी जटिलताओं का सामना काश्तकारों को करना पड़ा।



भू-सुधारों का प्रत्यक्ष प्रभाव नागरिकों पर पड़ता है। विकास को भू-सुधार सुनिश्चित करते हैं समावेशी

Q2. यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (UPI) ने भारत में वित्तीय समावेशन को किस प्रकार बढ़ावा दिया है? टिप्पणी कीजिए।

Comment on how the Unified Payment Interface (UPI) has unleashed financial inclusion in India. (Answer in 150 words) 10

भारत में लगभग 86 करोड़ मोबाइल फोन युजर्स हैं, साथ ही डिजिटल इंडिया मिशन जैसे प्रयास UPI को आगे बढ़ाते हैं।

UPI, NPCI (National Payment Corporation of India) की ऑनलाइन पेमेंट्स भुगतान करने की प्रणाली है।

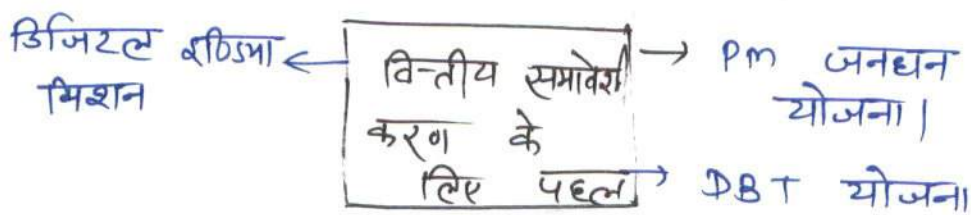
UPI के द्वारा वित्तीय समावेशन

- ① UPI से जुड़ाव युजर्स स्तर पर काफी ज्यादा है। जो संख्या के आधार पर सर्वाधिक पेमेंट्स भुगतान UPI से होता है।
- ② UPI की पहुंच से काफी सूक्ष्म तथा मध्यम उद्योग सशक्त हुए हैं।
- ③ UPI की मदद से Small vendors पेमेंट भुगतान प्रणाली का भाग बने हैं।
- ④ पेमेंट भुगतान की सुलभता इसे ज्यादा से ज्यादा लोगों तक जोड़ी है।

- ⑤ बैंडिंग लेन- देन लागत में कमी से UPI का सर्वसमावेशीकरण बढ़ा है।
- ⑥ खुद के बैंक खाते का बिना भौगोलिक शाखा में जाए बिना उबंध कर लेना UPI को आगे समावेशी बनाता है।
- ⑦ बचत की प्रवृत्ति में अत्यधिक वृद्धि हुई है।

हालांकि कुछ समस्याएँ भी आई हैं-

- ① Data privacy का खतरा।
- ② निरक्षर Vendor को UPI की समझ नहीं।
- ③ Cyber Crime के प्रति संवेदनशील।
- ④ गाँवों तक नहीं पहुँच पाया है।



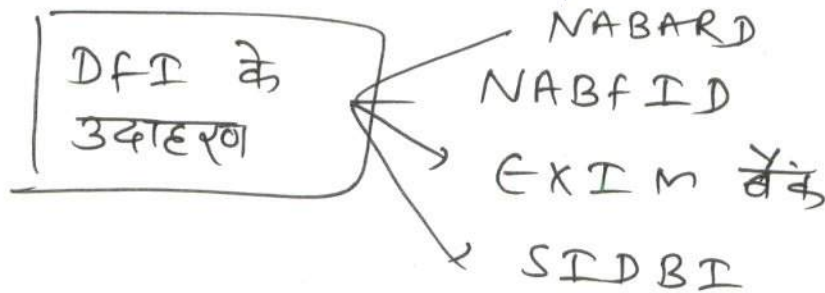
वित्तीय समावेशीकरण से लोगों के आर्थिक अधिकार सुरक्षित होते हैं जो भविष्यगत निर्णय लेने में काफी सार्थक सिद्ध होते हैं।

Q3.

भारत की आर्थिक संवृद्धि और अवसंरचना के विकास को सहायता प्रदान करने में विकास वित्त संस्थानों (DFIs) की भूमिका पर चर्चा कीजिए।

Discuss the role of Development Finance Institutions (DFIs) in supporting India's economic growth and infrastructure development. (Answer in 150 words) 10

विकास वित्त संस्था के द्वारा विभिन्न क्षेत्रों जैसे- कृषि, आवास, सड़क, रेल अवसंरचना को दीर्घकालिक वित्त प्रदान किया जाता है।



DFI : आर्थिक संवृद्धि तथा अवसंरचना

① DFI के द्वारा ग्रामीण तथा शहरी अवसंरचना को वित्त प्रदान करके मजबूत किया जाता है।

Ex - NABARD की Rural Infra. Development fund.

② वित्त संस्थानों के द्वारा कृषिगत अवसंरचना में निवेश किया जाता है, जिससे 60% जनसंख्या की आर्थिक संवृद्धि होती है।

Ex → SIDBI बैंक के प्रयास।

③ विभिन्न क्षेत्रों में वित्त की पहुँच को निश्चित किया जाता है।

जैसे- NaBFID → 1500 Cr का fund रखे, सूझ अवसरचना में।

④ आयात- निर्यात के लिए भारतीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए EXIM की स्थापना की गई है।

⑤ विभिन्न क्षेत्रों में D.f.I द्वारा समावेशी विकास को आगे बढ़ाया गया है।

⑥ DFI द्वारा विभिन्न प्रकार से तकनीकी सहायता प्रदान की जाती है।

⑦ औद्योगिक ~~अथ~~ संवृद्धि को IIFCL द्वारा सपोर्ट प्रदान किया जाता है।

वित्त की पहुँच  
बढ़ी है लेकिन  
NPA का निराकरण

DFI से  
जुड़े मुद्दे

ज्यादातर शहरी  
क्षेत्रों में क्रेडिट  
समावेशी विकास  
नहीं।

DFI समावेशी आर्थिक संवृद्धि के लिए जरूरी है तभी विकासशील से विकसित देश का सफर तय किया जाएगा।

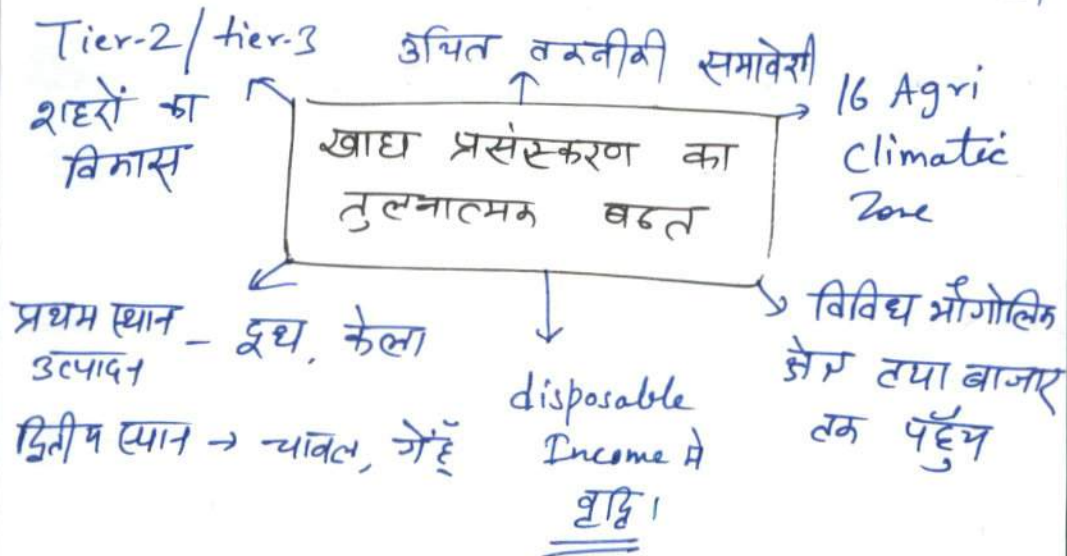
Q4.

भारत को खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में अपनी तुलनात्मक बढ़त का लाभ उठाकर इस क्षेत्र को वैश्विक ऊर्जागृह में परिवर्तित करने की आवश्यकता है। विवेचना कीजिए।

India needs to leverage its comparative advantage in food processing to transform the sector into a global powerhouse. Discuss. (Answer in 150 words) 10

खाद्य प्रसंस्करण का अर्थ है - खाद्य का प्रसंस्करण कर उपभोक्ता तक बढ़ाना जिसमें शेल्फ लाइफ बढ़ाना, पैकेजिंग, वितरण श्रृंखला इत्यादि का विकास है।

खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र वृद्धि GDP में लगभग 5% का योगदान करता है।



तुलनात्मक लाभ : वैश्विक ऊर्जागृह में परिवर्तित

① उत्पादन में प्रथम तथा द्वितीय स्थान के होते हुए भी प्रसंस्करण काफी कम है जिससे scope काफी अधिक है।

② तकनीकी समावेशन जैसे - Warehouse,

Storage इत्यादि में निवेश कर इसे आगे बढ़ाया जा सकता है।

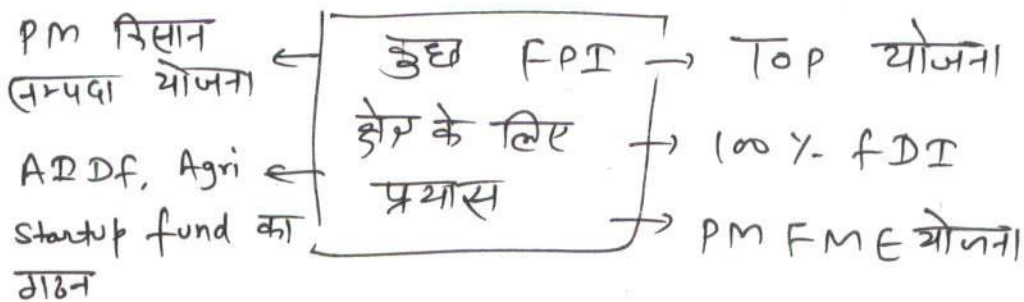
(iii) Supply चैन में विविधता लाई जा सकती है जिससे विभिन्न बाजारों तक पहुँच हो

(iv) विशाल घरेलू बाजार की बढ़ती उपयोग माँग, इसे ऊर्जा गृह बनाती है।

(v) श्रम की उपलब्धता काफी आसानी से संभव है।

(vi) Tier-2 & tier 3 शहरों का विकास तथा Shopping mall का culture बढ़ रहा है।

(vii) भारत की भौगोलिक स्थिति विभिन्न बाजारों तक पहुँच प्रदान करती है तथा विविध उत्पादों को आगे बढ़ती है।



लगभग 45 मिलियन लोग FPI क्षेत्र में कार्यरत हैं, इसका वैश्विक ऊर्जा में परिवर्तन करने से समावेशी तथा संघारणीय विकास होगा।

Q5.

प्लास्टिक जलवायु परिवर्तन में किस प्रकार योगदान देता है? भारत इस दिशा में कई उपायों को प्रारंभ करने के बावजूद प्लास्टिक प्रदूषण को नियंत्रित करने में सफल क्यों नहीं हुआ है?

How do plastics contribute to climate change? Why has India not been successful at controlling plastic pollution despite initiating several measures? (Answer in 150 words) 10

भारत सिंगल यूज प्लास्टिक (sup) को प्रयोग में लेने वाले देशों में <sup>उपर के</sup> तीन देशों में शामिल है।

प्लास्टिक : जलवायु परिवर्तन

- ① प्लास्टिक के निष्कर्षण की प्रक्रिया काफी गहन होती है  
↓  
Carbon
- ② प्लास्टिक के अनुशाल प्रबंधन से landfill भराव होता है जिसको जलाने से अमल का उत्सर्जन होता है।
- ③ प्लास्टिक के प्रबंधन में पहलियाँ जलवायु परिवर्तन को बढ़ती है।
- ④ समुद्री प्लास्टिक, जलीय जीवों के लिए समस्या उत्पन्न करती है, महासागरीय कार्बन सिंक में रुकसान होता है।

प्लास्टिक को प्रबंधित करने के उपाय

- ① plastic waste management Rule

- ② plastic waste management Act
- ③ प्लास्टिक वेस्ट को प्रबंधित करने के लिए  
Single Use plastic पर प्रतिबंध।
- ④ प्लास्टिक तथा प्लास्टिक का Road  
बनाने में प्रयोग।

सफल क्यों नहीं हुआ ?

- ① प्लास्टिक का प्रयोग काफी ज्यादा  
मात्रा में होता है, तो अचानक प्रतिबंध संभव नहीं।
- ② प्लास्टिक के कुप्रभावों के लिए जनता  
जागृत नहीं।
- ③ प्लास्टिक का पूर्ण सखी दर में उपलब्ध  
नहीं है।
- ④ प्रशासन तथा निगमों का प्रभावी  
Implementation न होना।

प्लास्टिक वेस्ट का प्रबंध करने  
संचालनीय भविष्य की तर्फ भारत को  
कदम रखना चाहिए।

Q6. भारत में सार्वजनिक स्थलों पर अक्सर होने वाली भगदड़ के कारणों की व्याख्या कीजिए। इस तरह की घटनाओं को कैसे रोका जा सकता है?

Explain the causes of frequent stampedes at public places in India. How can such incidents be prevented? (Answer in 150 words) 10

हाल ही में U.P. के एक पाण्डाल में भगदड़ हुई जिसमें लगभग 100 से अधिक लोगों की मृत्यु हुई।

इन सार्वजनिक स्थलों में भगदड़ के कारण

- ① इन स्थलों पर रुमता से अधिक व्यक्तियों का जुट जाना।
- ② कई बार सार्वजनिक स्थलों पर सापदा जैसे- बाढ़, तूफान, आग लगना इत्यादि भगदड़ के ज़रि संवेदनशील बनाते हैं।
- ③ लोगों में अनावश्यक रूप से <sup>कुछ</sup> प्रबंधना जैसे मंदिरों या इत्यादि में पंक्ति में धक्के देना।
- ④ कई बार भ्रष्टाचारिक तत्वों की कार्रवाई से भगदड़ मनी है।
- ⑤ प्रशासन का प्रबंधन न कर पाना।
- ⑥ प्रशासनिक एजेंसियों में समन्वय का अभाव।

- ⑦ धार्मिक तथा हटिवादी विश्वासों की बढ़ती प्रवृत्ति।
- ⑧ लोगों में सप्रस की कमी।

इस तरह की घटनाओं को रोकना

- ① प्रशासन द्वारा अत्यधिक शीड का प्रबंधन किया जाना चाहिए।
- ② एजेंसियों जैसे बिजली, पुलिस, पानी आदि को समन्वित किया जाना चाहिए।
- ③ धार्मिक स्थलों पर भ्रमण से संबंधित प्रावधानों को बताना चाहिए।
- ④ भसमाजिक तत्वों पर कार्रवाई की जानी चाहिए।
- ⑤ लोगों में जागरूकता फैलानी चाहिए।
- ⑥ शीड को अत्याधुनिक उपकरणों CCTV, ईमेल, ड्रोन से प्रबंधित किया जाना चाहिए।

शीड प्रबंधन को मजबूत करके हम इस लोगों की जान तथा पन की हानि को रोक सकते हैं।

Q7. ह्यूमनॉइड रोबोट्स के क्षेत्र में हुई नवीनतम प्रगति क्या है? इन रोबोटों के समाज पर पड़ने वाले प्रभावों से जुड़े मुद्दों पर चर्चा कीजिए।

What are the latest advancements in the field of humanoid robots? Discuss the issues surrounding the impact of these robots on society. (Answer in 150 words) 10

मशीनों का प्रयोग करके मानव की तरह दिखने वाला रोबोट का निर्माण ह्यूमनॉइड रोबोट कहलाता है।

नवीनतम प्रगति

① COVID-19 के दौरान ह्यूमनॉइड रोबोट को अस्पतालों में प्रयोग में लाया गया है।

② Humanoid Robot को भारत स्पेस में भेजा गया है।

③ सऊदी अरब जैसे देशों ने Humanoid Robot Sofia को नागरिकता उदाहरण दी है।

④ कई Hotel में स्वागत के लिए Humanoid Robots का प्रयोग किया जा रहा है।

Humanoid Robots का समाज पर प्रभाव

+ive

① मानव श्रम की बचत होगी।

② समय की बचत होगी।

- ③ उत्पादकता में वृद्धि होगी।  
 ④ मानव को नाली साफ करना, मैनहॉल साफ करना जैसे अर्नेतिक कार्यों से धूरमिलेगी।

~~समानता~~ नकारात्मक लाभ

- ① Humanoid Robot के अर्नेतिक कार्यों के लिए कौन जिम्मेदार है ?  
 ② मानव श्रम में बेरोजगारी का बढ़ता खतरा।  
 ③ सामाजिक स्तरीकरण में वृद्धि हो सकती है।  
 ④ रिश्तों तथा सेवकों में परिवर्तन हो सकता है।  
 ⑤ मानव भालस्य या शारीरिक श्रम न सके का भावी बन सकता है।  
 ⑥ गरीब लोग चूफुर्द नहीं कर पाएंगे।

Humanoid Robot को अनुशल मानव श्रम में प्रयोग करना चाहिए तथा वैश्विक प्रयोगों के अनुसार भारत में भी इसकी अर्नेकता का निचलिन करना चाहिए।

Q8.

पुनर्संयोजी डीएनए तकनीक ने जेनेटिक इंजीनियरिंग में किस तरह क्रांति ला दी है? इसके प्रभावों को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

How has recombinant DNA technology revolutionized genetic engineering?  
Provide examples to illustrate its impact. (Answer in 150 words) 10

जेनेटिक इंजीनियरिंग में किसी  
unwanted जीन को हटाना इसका मानव  
कल्याण तथा उन्नति में प्रयोग किया  
जाता है।

जैसे - सूअर से इंसुलिन का उत्पादन



Q9.

जम्मू-कश्मीर में गैर-राज्य अभिकर्ताओं द्वारा अपनाई जाने वाली नवीन एवं उभरती रणनीतियों ने इस क्षेत्र में गंभीर सुरक्षा चुनौतियां उत्पन्न कर दी हैं। विवेचना कीजिए।

New and evolving tactics employed by non-state actors in Jammu and Kashmir have created significant security challenges in the region. Discuss. (Answer in 150 words) 10

Non State Actor किसी राज्य से संबद्ध नहीं होते लेकिन अपनी भूमिका से कई बार भारत के सामाजिक-सांस्कृतिक ताने-बाने को प्रभावित करते हैं।  
Ex - NFO, सिविल सोसाइटी, आतंकवादी संगठन।

जम्मू कश्मीर में गैर राज्य अभिकर्ताओं की नवीन तथा उभरती रणनीति

- ① पहाड़ी को छोड़ जम्मू क्षेत्र में आतंकवादी गतिविधियाँ बढ़ी हैं।
- ② लगातार युवाओं का में-युल्लेशन।
- ③ Gray hounds workers की भर्ती।
- ④ साम्प्रदायिकता तथा हिंसा को आगे बढ़ाना।
- ⑤ money laundering के नए-नए प्रयास।
- ⑥ काउंटर फिंरिंग ↑ तथा विकास चयनस्था के विस्तृत कार्य करना।

- (VII) दृष्टिधारों की आपूर्ति।
- (VIII) युवाओं में लगातार बढ़ती नशे की ज्वारी।

भारत के सामने जंत्री (रज्य चुनौतियाँ)

- (I) लगातार जम्मू क्षेत्र में आतंक्वादी गतिविधियाँ बढ़ी हैं।  
Ex - डोडा, रजौरी क्षेत्र में घनाई।
- (II) काउंटर फिंटरिंग से आर्थिक सुशासन खतरा उत्पन्न होता है।
- (III) युवा गलत राह पकड़ रहे हैं।
- (IV) लगातार हिंसा तथा उन्मादी भीड़ द्वारा आतंक्वादी सैन्य ठिकानों तथा कारखानों की रियोर्जिंग।
- (V) विभासवादी राजनीति में नुस्सान

उपाय → J&K में विभास तथा रक्षा व्यय दोनों बढ़ाने चाहिए।  
रजिस्ट्रियों में समन्वय बढ़ाना चाहिए।

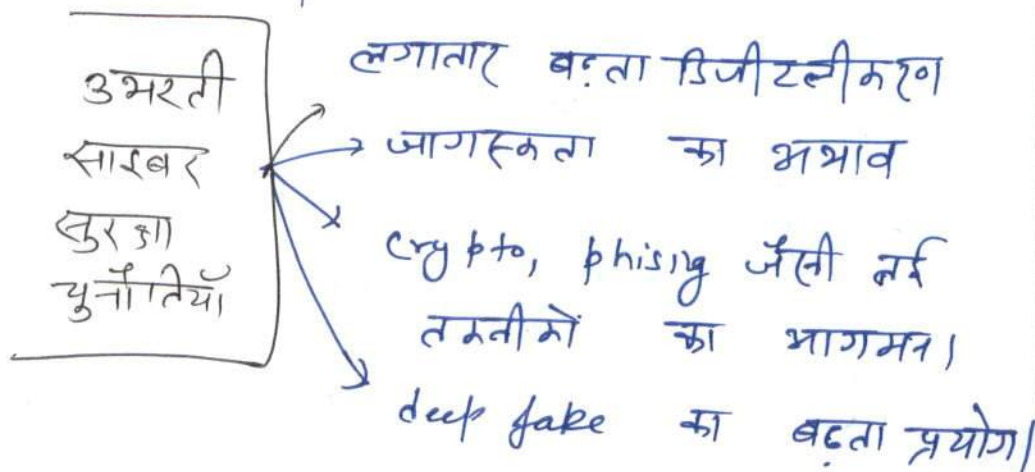
जम्मू उश्मीर भारत का मुकुट है, यह विवादित क्षेत्र है, यहाँ शान्ति स्थापित न जाये तो भारत की छवि प्रज्वलित होगी।

Q10.

भारत में उभरती साइबर सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए निरंतर नवाचार और दक्षता की आवश्यकता है। इसके मद्देनजर, भारत में साइबरस्पेस की सुरक्षा में CERT-In की भूमिका पर प्रकाश डालिए।

The evolving cybersecurity challenges in India demand constant innovation and agility. In light of this, give out the role of CERT-In in safeguarding cyberspace in India. (Answer in 150 words) 10

क्वालकॉम की रिपोर्ट के अनुसार भारत में हर 3 मिनट में एक साइबर अटैक होता है तथा एशिया अफ्रीका के बाद दूसरे स्थान पर साइबर अटैक से प्रभावित है।



भारत में साइबरस्पेस की सुरक्षा में CERT-IN एक विभाग है जो MOETTY के अन्तर्गत कार्य करता है जिसकी भूमिका निम्न है -

- ① cyber attack जैसे phishing से निपटने में प्रयोग में लिया जाता है।
- ② cyber crime की Reporting की

प्रणाली को मजबूत करता है।

- ③ Cyber crime से संबंधित दिशा-निर्देशों से लोगों में जागरूकता फैलती है।
- ④ Critical Infra. जैसे बैंक, रक्षा इत्यादि में सुरक्षा की निगरानी करता है।
- ⑤ यह विभिन्न सार्व सुरक्षा से जुड़ी एजेंसियों के साथ समन्वय करता है।

कुछ चुनौतियाँ भी हैं

- लोगों को CERT-IN की जागरूकता नहीं
- एजेंसी समन्वय नहीं
- CERT-IN में पड़े खाती फंड भवसंपत्ति तथा वित्त की कमी।

CERT-IN में भवसंपत्ति तथा वित्त की कमी को पूरा कर उसे मजबूत बनाने की आवश्यकता है जिससे लोगों को Cyber सुरक्षा मिल सके।

Q11.

भारत में जल-गहन फसल पद्धति की ओर असमान झुकाव क्यों रहा है? संधारणीय जल-उपयोग फसल पद्धति सुनिश्चित करने के लिए लागू किए जा सकने वाले उपायों पर चर्चा कीजिए।

Why has there been an uneven tilt towards water-intensive cropping pattern in India? Discuss the measures that can be implemented to ensure a sustainable water-use cropping pattern. (Answer in 250 words) 15

भारत में जल-गहन फसल पद्धति का लगभग 85% पानी कृषि में प्रयोग होता है जो जल गहन फसल की ओर शिफ्ट दिखाता है।

जल गहन पद्धति की ओर असमान झुकाव

- ① बाढ़ के मैदानों में चावल की खेती को प्रोत्साहित किया गया, जो 1kg चावल उत्पादन में लगभग 2000 से ज्यादा पानी खर्च करती है।
- ② सरकारी विद्युत आपूर्ति तथा बिजली बिलों का माफ़ किया जाने की लोक-प्रभावनी राजनीति।
- ③ M.S.P. का प्रभाव → लगभग 85% किसान हरियाणा, पंजाब में चावल उत्पादक।
- ④ राज्य सरकारों द्वारा जल गहन फसलों को प्रोत्साहित किया।

- (5) किसानों को न तो कृषि क्षेत्र में आ रही समस्याओं जैसे उर्वरता हानि की समस्या है, न ही Agro climatic zone की
- (6) जल की निरन्तर आपूर्ति में कृषि क्षेत्रों

### संघातीय जल उपयोग फसल पद्धति

में जल का प्रयोग कम से कम बड़े उत्पादकों को बढ़ाया जाता है -

- (i) सूक्ष्म सिंचार को अपनाया जा सकता है जो जल दबाव को सामान्य तरीके से लगभग 80% बनाती है।
- (ii) जल निष्कर्षण को नियमित किया जाना चाहिए।
- (iii) Agro climatic zone के अनुसार कृषि को महत्व दिया जाना चाहिए।
- (iv) कृषि नीतियों के अनुसार जल में भुगतान सिद्धान्त को लागू किया जाना चाहिए।
- (v) जल के उपयोग को ~~कम~~ कम करने के लिए

जल के बढ़ते पैसा का उपयोग किया जा सकता है।

(vi) No tillage farming जैसी उद्यमों को भागे बढ़ सकते हैं।

(vii) जल की संघालीय उद्यमों को भागे बढ़ना।  
सिंचाई के लिए प्रयास

(1) प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना को लागू किया गया है।

(2) micro Irrigation fund का निर्माण।

(3) M.S.P. को जल गहन फसल के अनुकूल न केवल संघालीयता को शामिल किया जाना चाहिए।

सिंचाई में कुल कृषि क्षेत्र का 58% स्थान है, सिंचाई में बढ़ता को बढ़ावा इसे कम किया जा सकता है जो किसानों के double Income एस्टिमेट के अनुकूल है।

Q12.

विकास एजेंडे में जलवायु परिवर्तन संबंधी चिंताओं को प्रमुखता से शामिल करने के लिए बजट प्रक्रिया के साथ जलवायु वित्त को समेकित करने की आवश्यकता है। इस संदर्भ में, भारत में जलवायु बजट की आवश्यकता पर चर्चा कीजिए।

Mainstreaming climate change concerns within the development agenda requires integration of climate finance into the budgeting process. In this light, discuss the need for climate budgeting in India. (Answer in 250 words) 15

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने 21<sup>वीं</sup> सदी की 10 प्रमुख समस्या में जलवायु परिवर्तन को एक माना है, IPCC ने जलवायु परिवर्तन की प्रभावता को अपनी रिपोर्टों में बताया है।

जलवायु वित्त एक नई अवधारणा है जिसका अर्थ है विकास की अवस्था में हो रहे पर्यावरणीय विनाश तथा क्षरण को संबोधित करना।

Ex → District मिनरल foundation इत्यादि का प्रयोग जलवायु परिवर्तन के शमन तथा अनुकूलन करना।

विकास की प्रक्रिया में जलवायु वित्त का समेकन करना → जलवायु बजट

① विकास का संघातीय आयाम

प्राप्त होगा, जहाँ विकास तथा पर्यावरण दोनों एक साथ भागे बढ़ेंगे।

② विकास की प्रक्रिया में संसाधनों का आवेदन ~~के~~ वैश्विक व्यवस्था में एक <sup>की तरफ</sup> समस्यता आएगी।

③ वैश्विक Zero Carbon Neutral की 2070 तक प्राप्ति सुनिश्चित होगी।

④ नवीकरणीय ऊर्जा में निवेश में वृद्धि होगी।

⑤ Climate Resilient कृषि में वृद्धि होगी।

⑥ विकास योजनाओं के पर्यावरणीय प्रभाव भाकलन में वृद्धि।

⑦ जनजातियों के अधिकांशों में वृद्धि।  
जलवायु बजट से संबंधित समस्याएँ

① भारत में अनेक सामाजिक-आर्थिक समस्याएँ जैसे- गरीबी, भूखपरी मौजूद हैं तो जलवायु बजट अभी संभव नहीं है।

② जलवायु बजट को सामर करने में

तम्बीरी समझ न के बराबर है,  
जिससे व्यय अधिक हो जाता है।

③ भारत में जलवायु बजट लोगों के अधिकारों  
तथा समान तथा विभिन्न स्तरों पर  
का इल्लेख करता है।

④ जलवायु बजट के प्रति राजनीतिक  
बहिष्कार की रूढ़ि दिखती है।

⑤ मुख्यधारा में भारत लगातार INDC  
प्रतिबद्धता के अनुकूल है।

जलवायु वित्त के लिए प्रयास

① CSR fund - अनुकूलन तथा शान्त में  
योजित।

② District mineral fund -

③ polluter pay principle द्वारा फण्ड

④ G.E.f, Adaption fund, Green  
climate fund इत्यादि अन्तर्राष्ट्रीय प्रयास।

जलवायु बजट की अवधारणा  
SDG के लक्ष्य 13, 14, 15 के अनुकूल है।

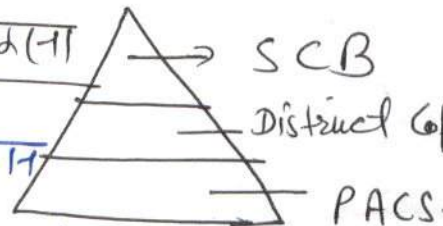
Q13.

भारत में कृषि उपज के भंडारण और विपणन में प्राथमिक कृषि ऋण समितियां (PACS) क्या भूमिका निभाती हैं? हाल ही में प्रारंभ की गई 'सहकारी क्षेत्र में विश्व की सबसे बड़ी अनाज भंडारण योजना' के महत्व पर टिप्पणी कीजिए।

What role do Primary Agricultural Credit Societies (PACS) play in the storage and marketing of agricultural produce in India? Comment on the significance of the recently launched 'World's Largest Grain Storage Plan in Cooperative Sector'.  
(Answer in 250 words) 15

दलबर्ग समिति के अनुसार भारत में लगभग 85,000 CR की पोस्ट हार्वेस्ट क्षति होती है जिसमें भंडारण, विपणन, ट्रांसपोर्ट आता है। भंडारण में कुल उत्पादन की वर्तमान क्षमता लगभग 45% है। इस समस्याओं के लिए प्राथमिक कृषि ऋण समितियाँ महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं-

① सूक्ष्म वित्त प्रदान करना



District समिति द्वारा प्रदान किए गए वित्त को किसानों के मध्य वितरित करती है जिससे भंडारण प्रकल्प में वृद्धि कर सकें।

② किसानों के वित्तीय समावेशन में वृद्धि करती है, साथ ही अधिकारों के प्रति

जागस्क करती हैं जो विपणन तथा  
अण्डारण से जुड़ा होता है।

(iii) किसानों में संप्रदाय-संप्रदाय पर  
सूचना प्रसार करती हैं जिससे किसान  
जागस्क होते हैं।

(iv) किसानों के पास बचत संस्थानों को  
बढ़ावा दिया जाता है जिससे warehouse  
Receipt को भागे बढ़ाया जा सकता है।

(v) किसानों के ऋण संतुलन में वृद्धि  
करती हैं।

(vi) विनीय मदद की सहायता से  
किसान विपणन भवसंपन्ना में निवेश  
करते हैं।

(vii) किसानों के विपणन गतिमोहों में  
वृद्धि पुनिश्चित करते हैं।

हाल ही में सरकारी क्षेत्र में  
विश्व की सबसे बड़ी कनाय अण्डारण  
योजना शुरू की गई है। जिसका महत्व है

- ① अनाज की अण्डारण ज़रूरत में बढ़ेगी।
- ② अनाज की क्वालिटी बनी रहेगी।
- ③ micro-toxin जैसे रोगों में उन्नी आएगी।
- ④ किसानों के विपणन अधिकारों में बढ़ि सुनिश्चित होगी।
- ⑤ मॉसमी माँग निपटने में लाभदायक।
- ⑥ माँग तथा आपूर्ति में संतुलन।
- ⑦ FPI (खाद्य असंस्कार उद्योगों) को बढ़ावा मिलेगा।
- ⑧ हालांकि इससे जुड़ी कुछ निम्नलिखित हैं-
  - ① कित्त की उन्नी।
  - ② शहरी क्षेत्रों में केन्द्रित।
  - ③ क्षेत्रीय विविधता के अनुसार विकसित नहीं।

अनाज अण्डारण तथा विपणन-अवसंस्थान में बढ़ि म किसानों की double Income लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है।

Q14.

भारत में मौजूदा विमान पत्तनों का विस्तार और नए विमान पत्तनों का विकास केवल यात्रा संपर्क में सुधार तक सीमित नहीं है बल्कि यह कहीं अधिक लाभ प्रदान कर सकता है। चर्चा कीजिए।

The expansion of existing airports and the development of new airports in India can provide benefits beyond merely improving travel connectivity. Discuss. (Answer in 250 words) 15

विमानपत्तन भारतीय अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण भाग हैं जो यात्री परिवहन से लेकर माल परिवहन में भी कार्य करता है।

विमानपत्तनों का प्रमुख लाभ यह है कि यह लोगों को दूरी तय करने में कम समय लेता है।

(सड़क, ट्रेन की तुलना में) इसके लिए भारत सरकार कुछ विमानपत्तन ने उड़ान-इडे देश का आम नागरिक योजना भी चला रखी है।

लेकिन भारत सरकार द्वारा नए विमानपत्तनों का निर्माण तथा विस्तार केवल यात्रा संपर्क में सुधार ही नहीं

अन्य लाभ भी प्रदान करता है।

① पर्यटन लाभ

भारत में भारतके ही लोगों का तथा अन्तर्राष्ट्रीय पर्यटकों को सुलभता प्रदान करता है, जिससे लोगों को कनेक्टिविटी में सुधार होगा।

② माल डिलीवरी तथा कृषि के नाशवान उत्पादों की मार्केट को उपलब्ध कराएगा।

③ वैश्विक देशों से साथ person to person Contact बढ़ाता है।

④ Medical & wellness के रूप में भारत का विकास सुनिश्चित होगा।

⑤ बुद्धि तथा लघु उद्योगों के लिए वित्त की उपलब्धि होगी।

⑥ बिजानपत्तनों के विकास से नए रोजगारों की उत्पत्ति होगी तथा आर्थिक विकास सुनिश्चित होगा।

⑦ Connectivity बढ़ने से FDI तथा

- FPI को वृद्धि मिल सकती है
- ⑧ समाज में महिलाओं की उन्नति हो सकती है
  - ⑨ आयदा राहत में काफी प्रगतिशील साबित हो सकता है
  - ⑩ इरस्थ लोगों के लिए पैलें सुनिश्चित होगी
  - ⑪ दीर्घकाल में (justice cost में भी कमी आएगी)

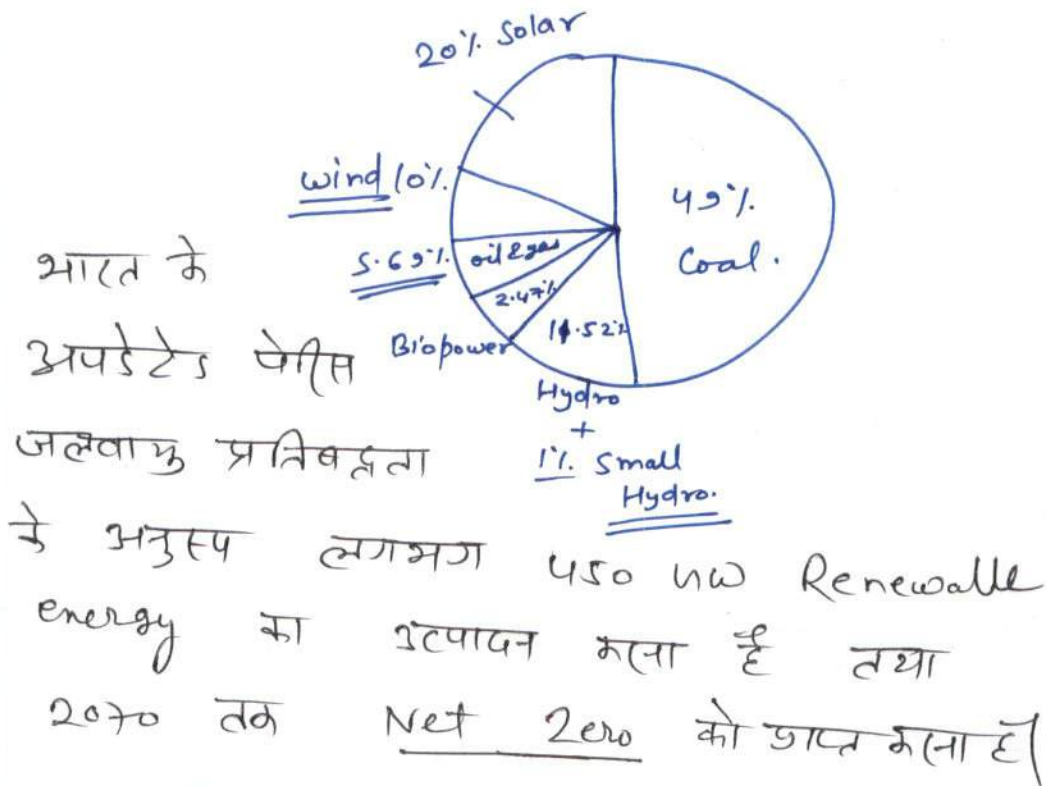
हालांकि कम समय में अधिक वित्त की आवश्यकता होगी, वही अन्य आवश्यकताओं के विकास को भी वृद्धि करनी होगी जिससे विमानपत्तनो का ट्रेफिक संभाल सके)

विमानपत्तन क्षेत्र का विकास से वैश्वीकरण की एक वरफ कदम होगा जो ग्लोबल विलेज में परिवर्तित हो देगा, जिसके बहुभाषी लाभ हों

Q15. भारत अपने ऊर्जा क्षेत्रक में महत्वपूर्ण परिवर्तन लाने के अंतिम पड़ाव पर है और देश की ऊर्जा क्षमता में पर्याप्त वृद्धि करने के लिए तैयार है। इस परिवर्तन को संधारणीय और समावेशी बनाने के लिए क्या आवश्यक है?

India is on the cusp of a significant transformation in its energy sector and is set to substantially augment the country's energy capacity. What makes this transformation sustainable and inclusive? (Answer in 250 words) 15

वर्तमान में भारत की total power Installed Capacity लगभग 40 GW है जिसका विन्धास इस प्रकार है



देश की ऊर्जा क्षमता में संधारणीयता को बढ़ाना

① जलवायु परिवर्तन को ध्यान रखते हुए लगभग 40% से अधिक ऊर्जा

उत्पादन नवीनीकरण ऊर्जा उत्पादन को

(2) लगातार नवीनीकरणीय ऊर्जा पर ध्यान देना।

(3) भू-तापीय ऊर्जा तथा ocean thermal energy जैसे नए प्रयासों में ऊर्जा संचारणीयता में वृद्धि में हैं।

(4) Green Hydrogen को आगे बढ़ाया है जो 2030 तक 250 MT ग्रीन हाइड्रोजन का उत्पादन करता है।

(5) मेटेनॉल economy तथा ~~डिंडा~~ ethanol Blended प्रोग्राम को आगे बढ़ाया है।

(6) ऊर्जा दक्षता में वृद्धि को बढ़ावा।  
Ex - BEE की energy Rating को आगे बढ़ाना।

(7) पर्यावरण अनुकूल नीतियों का निर्माण।

ऊर्जा उन्नतता को संप्रवेश बनाना।

(8) भारत का गैस ऊर्जा में भागीदारी

केवल 6.2% हैं जिसे 2030 तक 15% करने का लक्ष्य है, यह PM उज्ज्वला योजना जैसे लक्ष्यों से संभव है।

ii) PAT योजना का क्रियान्वन किया है।

iii) बिजली के बढ़ते चैसे पंजाब सरकार की योजना ऊर्जा की सक्षमता तथा समावेशिता को भागे बढ़ती है।

iv) प्रधानमंत्री द्वारा सहज-बिजली घर योजना (सौभाग्य योजना) तथा ग्रामीण विद्युतीकरण समावेशिता की लक्ष्य रखा है।

v) PM कुसुम योजना तथा PM सूर्योदय योजना तथा स्मार्ट मीटरिंग ऊर्जा दक्षता में समावेशिता को बढ़ाते हैं।

ऊर्जा दक्षता को बढ़ाकर भारत जलवायु परिवर्तन को अनुकूल प्रभावित करेगा।

Q16.

जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र अंतर-सरकारी पैनल (IPCC) ने अपनी हालिया रिपोर्ट में इस बात पर बल दिया है कि नेट नेगेटिव CO<sub>2</sub> एमिशन के लक्ष्य की प्राप्ति के लिए कार्बन डाइऑक्साइड रिमूवल (CDR) आवश्यक है। CDR क्या है? CDR प्राप्त करने के विभिन्न तरीकों का वर्णन कीजिए और इससे संबंधित चुनौतियों की विवेचना कीजिए।

The UN Intergovernmental Panel on Climate Change (IPCC) in its recent report emphasizes that carbon dioxide removal (CDR) will be necessary to achieve net negative CO<sub>2</sub> emissions. What is CDR? Describe the different methods to attain CDR and discuss the associated challenges. (Answer in 250 words) 15

IPCC की रिपोर्ट अनुसार अगर लगातार उत्सर्जन की यही तीव्रता जारी रही तो 2100 वी वर्ष तक धरती का तापमान 3°C तक बढ़ जाएगा। जिसका कई नकारात्मक प्रभाव होंगे।

इसके लिए Carbon di oxide Removal एक तकनीक का प्रयोग भी जा रही है-

CDR में वायुमण्डल में उपस्थित कार्बन डायऑक्साइड को हटाया जाता है, भर्षटि CO<sub>2</sub> की साठवा जो कचर किया जाता है) जिन तकनीकों के द्वारा यह किया जाता है, इन्हे CDR तकनीक कहा जाता है।

## CDR के लिए विभिन्न तरीके

- ①  $\text{CO}_2$  का सीधा प्रयोग खेतों के कुँडों में store किया जाता है जो वहाँ store हो जाती है।
- ② कार्बन निषेधन को बढ़ावा दिया जाता है जिसमें मृदा की कार्बन सतह को बढ़ाने में मदद की जाती है।
- ③ लकड़ी फायरफ्लैमिंग के लिए कार्बन एक पोषक तत्व का काम करते हैं जिसे Carbon di-oxide को हटाया जाता है।
- ④ महासागर कार्बन के एक सिंक हैं, जहाँ क्षमता में वृद्धि की जाती है।
- ⑤ वनाकरण में वृद्धि करके  $\text{CO}_2$  की उपयोगिता में वृद्धि की जाती है।
- ⑥ कार्बन हटाने को उन्नत खनिजीकरण में बढ़ावा दिया जा सकता है।
- ⑦ CDR में  $\text{CO}_2$  का विभिन्न जगह

Storage किया जा सकता है।

CDR से संबंधित चुनौतियाँ

- (i) सामान्यतया: CDR प्रौद्योगिकी काफी महंगी होती है।
- (ii) कई प्रयोग जैसे कार्बन का जमीन में भण्डारण परिवर्ष्य में खुलने के प्रति संवेदनशील होते हैं।
- (iii) CDR प्रौद्योगिकी के प्रति लोगों में जागरूकता नहीं है।
- (iv) CDR को ज्यादा प्रयोग से पद-पादों के लिए प्रकाश संश्लेषण के लिए  $\text{CO}_2$  की कमी हो सकती है।
- (v) स्कूल वनीकरण को बढ़ावा मिल सकता है।

CDR तकनीक कुल कार्बन उत्सर्जन तीव्रता को कम करते हैं तथा IPCC के लक्ष्यों की तरफ प्रगतिशील कदम दिखाते हैं।

Q17.

भारत बाढ़ से संबंधित खतरों के प्रति संवेदनशील क्यों है? उपयुक्त उदाहरण प्रस्तुत करते हुए भारत के विभिन्न भागों में बाढ़ से संबंधित आपदाओं के लिए उत्तरदायी कारणों का विश्लेषण कीजिए।

What makes India vulnerable to flood-related hazards? Giving suitable examples, analyse the causes for flood-related disasters in various parts of India. (Answer in 250 words)

15

भारत के कुल भौगोलिक क्षेत्र 330  
मिलियन हेक्टेयर में 40 मिलियन हेक्टेयर  
बाढ़ के प्रति संवेदनशील है।

Ex- बंगाल बाढ़, चेन्नई बाढ़,  
कोशी नदी में बाढ़।

भारत में बाढ़ संबंधित खतरों के प्रति  
संवेदनशील

① मानसूनी वर्षा का  
70-80% एक ही  
महीने में होता है  
जिससे नदियाँ फूल जगता  
के साथ बहती हैं।

Ex- कोशी नदी।

② भारत में शहरों का विन्यास  
नदियों के किनारों पर फैला है  
जिससे नदियों में उफान बाढ़ का कारण



बन रहा है।

(iii) जलवायु परिवर्तन के कारण वर्षा की अनियमितता के कारण अगस्त 2024 में राजस्थान के कई इलाकों बाढ़ में रहे।

(iv) भारत में 760 km की लंबी तटरेखा के कारण बाढ़ के प्रति संवेदनशीलता में वृद्धि होती है।  
एर-चेन्नई में बाढ़।

(v) प्राकृतिक आपदाएँ बाढ़ के प्रति संवेदनशील बनाते हैं, जैसे अंतराखण्ड में बाढ़ फैलना हो या चक्रवात का आना।

भारत में बाढ़ में संवर्धित  
विभिन्न भागों अंतराखण्ड कारण

(1) अनियोजित शहरीकरण के कारण शहरी संवेदनशीलता में वृद्धि होती है। शहरों में Urban water body का अतिक्रमण किया जाता है जिससे पानी

के प्राकृतिक फलों में आने पर बाढ़  
आती है।

एक - दिल्ली में बाँध।

(ii) शहरों में sewage सिस्टम तथा  
निकासी प्रणाली का विकास नहीं।

एक - पटना में बाढ़।

(iii) प्रदूषणों के कारण तिलेबनकारी  
परासों की उपस्थिति घासतके उत्ति  
संवेदनशीलता बढ़ देती है।

(iv) बाँध दुर्घटना भी एक मुख्य कारण  
हो सकता है।

एक - मुन्हापेरिया dam काफ़ी पुराना हो  
चुका है।

(v) वनोन्मूलन के कारण बाढ़ का कुप्रभाव  
बढ़ जाता है।

NDMA के  
दिशा निर्देशों की पूर्ण

सामुदायिकी सुनिश्चित

शामन  
के  
उपाय

बाढ़ के प्रति early  
warning system

शहरीकरण का नियोजन  
सही किया जाना चाहिए।

बाढ़ को नियंत्रित करने के लिए  
Pro active approach अपनानी चाहिए।

Q18. ISRO का आदित्य-L1 मिशन तथा NASA का पार्कर सोलर प्रोब सूर्य के अपने अध्ययन के संदर्भ में किस प्रकार भिन्न हैं?

How do ISRO's Aditya-L1 mission and NASA's Parker Solar Probe differ in their study of the sun? (Answer in 250 words) 15

ISRO का आदित्य L-1 तथा NASA का पार्कर सोलर प्रोब सूर्य के अध्ययन को आगे बढाएगा, जिसमें सोलर फ्लेय, Solar mass Ejection तथा coronal Heating मुख्य विषय रहेंगे।

① आदित्य L-1 लॉगरूज बिंदु L-1 पर अवस्थित है वहीं पार्कर सोलर प्रोब एक दीर्घवृत्ताकार कक्षा में उपस्थित है।

② आदित्य L-1 की सूर्य से दूरी तुलनात्मक कम है, तथा यह स्थायी बिंदु है।

③ आदित्य L-1 सूर्य की सतही स्थिति में अध्ययन का पाएगा।

④ आदित्य L-1 की तुलनात्मक अच्छी स्थिति के कारण नाभिकीय संलयन,

Coronal mass ejection के उपकरणों पर प्रभाव पर अच्छी परक होगी।

(V) पार्कि सोलर प्रोब सूर्य की प्लाज्मा से चुम्बकीय क्षेत्र का अध्ययन करेगा जो geo magnetism को बढ़ावा देगा वही radio L-1 solar flare तथा कोरोना के अध्ययन को भागे बढाएगा।

(VI) पार्कि सोलर प्रोब की कार्यविधि भाषा L-1 से श्रेयिक है।

हालांकि दोनों में कुछ समानताएँ भी हैं-

① Coronal mass का अध्ययन दोनों मिशन कर पाएंगे।

② गार्मिनीय संलयन का अध्ययन दोनों भागे बढाएंगे जो अविद्य का स्थित है।

③ उपकरणों पर सूर्य के प्रभाव का अध्ययन किया जा सकेगा।

④ भविष्य का रूढ़ि सुनिश्चित हो पाएगा।

⑤ सूर्य की गतिविधियों पर निगरानी की जाएगी।

⑥ सूर्य ग्रहण का अध्ययन किया जाएगा।

आदित्य L-1 तथा पार्क सोलर जेब दोनो सूर्य के छत्रि जागसकता पैदा करते हैं। इनसे डाक्टर ~~से~~ सूचनाओं से सामाजिक, आर्थिक विकास की नीतियों का निर्माण होगा।

Q19.

भारत की अर्थव्यवस्था और राष्ट्रीय सुरक्षा पर धन शोधन (मनी लॉन्ड्रिंग) के हानिकारक प्रभावों को रेखांकित कीजिए। इस समस्या से निपटने में सामना की जाने वाली चुनौतियों पर चर्चा कीजिए।

Bring out the detrimental impact of money laundering on the economy and national security of India. Discuss the challenges faced in countering this menace.  
(Answer in 250 words) 15

धन के भ्रष्ट स्रोतों को छिपाकर उसे वैध बनाने का प्रयास धन शोधन कहलाता है।



भारत की अर्थव्यवस्था पर धन शोधन का हानिकारक प्रभाव

- ① समानान्तर अर्थव्यवस्था का निर्माण हो जाएगा।
- ② अर्थव्यवस्था में असमानता का स्तर अधिक बढ़ जाएगा।
- ③ माँग तथा आपूर्ति संतुलन में असंतुलन हो जाएगा।
- ④ माँड्रिक नीति की प्रभावकारिता में कमी हो जाएगी।
- ⑤ देश का आर्थिक विकास बाधित होगा।

भारत की राष्ट्र सुरक्षा पर धन शोधन का प्रभाव

- ① धन शोधन से कामपैथी उग्रवाद तथा आतंकवाद को सहायता मिलती है।
- ② Counter financing जैसे गपराचों में बृद्धि हो सकती है।
- ③ दधियातों की भापूर्ति हो सकती है।
- ④ साम्प्रदायिक दंगे तथा हिंसा को बढ़ावा दिया जा सकता है।
- ⑤ अवैध वस्त्रों, व्यापार, सट्टेबाजी को बढ़ावा मिलता है।

Finance Intelligence Unit

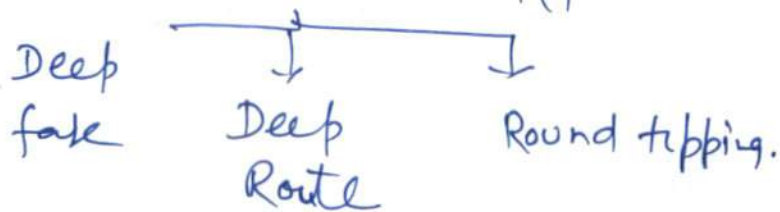
ED/CBI की  
सावधानी।

धन शोधन  
रोकने के  
उपाय

PMLA 2002  
का त्रियान्वन

धन शोधन की समस्या से निपटने में चुनौतियाँ

- ① KYC मानक को तो इस ही में  
सकते हैं।
- ② रिपोर्ट जैसे तरह चैनल की पहचान  
करना मुश्किल है।
- ③ FDI तथा FPI में सर्वेच  
जैसे की पहचान नहीं होती है।
- ④ कमजोर प्रवर्तन दर : पोष सिरी दर  
सच्ची कम।
- ⑤ ब्लैक मनी जैसे शब्द परिभाषित नहीं।
- ⑥ जेंदोगिरी का विकास



धन-शोधन या नियंत्रण का लिया  
जाए तो भारत की GDP 5% की वृद्धि  
पर से बढ़ेगी तथा एक मुश्किल तरीके से  
भारत कर्जमुक्त हो सकता है।

Q20. वैश्विक मंच पर अपनी प्रतिष्ठा को बढ़ाने के लिए रक्षा निर्यात भारत के लिए एक रणनीतिक अनिवार्यता है। विवेचना कीजिए। रक्षा निर्यात को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा कौन-से उपाय अपनाए गए हैं।

Defence exports are a strategic imperative for India to enhance its stature on the global stage. Discuss. What are the measures adopted by the government to bolster defence exports? (Answer in 250 words) 15

रक्षा मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार वित्त वर्ष 2023-24 में भारत में लगभग 2.3 बिलियन \$ रक्षा उत्पादों का निर्यात किया जो अभी तक का सर्वोच्च था। रक्षा निर्यात में ब्रिटेन, रूस, इत्यादि शामिल हैं।

वैश्विक मंच पर प्रतिष्ठा बढ़ाना - रणनीतिक अनिवार्यता by defence exports

- ① भारत वैश्विक रक्षा आपूर्ति शृंखला के साथ समायोजित करके जा सकता है जिसमें फ्रेंस, रूस, U.S.A. हैं।
- ② रक्षा निर्यात से भारत की छवि को एक मजबूत देश तथा स्थिर नीतियों का समर्थक वाला बनाता है।
- ③ defence production में विदेशी निवेश

में वृद्धि होगी।

④ भारत की हिन्द महासागर में Net-Security provider या Big Brother की छवि मजबूत होगी।

⑤ चीन का मुकाबला करने के लिए भारत एक सशक्त रुढ़म की तरफ होगा।

⑥ भारत का रक्षा उपकरणों की बिक्री से संयुक्त संचालन, अंतर संचालन से उन्नत सैन्य सहयोग होगा।

⑦ आत्मनिर्भरता में वृद्धि होगी, रक्षा नियति से आर्थिक लाभ होंगे तथा BOP मजबूत होगा।

⑧ भूराजनीतिक स्थिति तथा इनीतिक संबंधों में भारत की छवि मजबूत होगी।

भारत सरकार ने 2024-25 तक लगभग 5 Billion \$ का रक्षानियति का लक्ष्य रखा है जिसके लिए निम्न नीतियाँ अपनाएँ।

① रक्षा का स्वदेशीकरण -  $\rightarrow$  DEX, SRIJAN

पोर्टल के माध्यम से रक्षा उत्पादों का स्वदेशीकरण होगा जिससे निर्यात बढ़ेगा।

② विदेशी देशों के साथ निर्यात के लिए एयरसेलों का बहालीकरण।

③ रक्षा क्षेत्र में सॉफ्टवेयर तथा AI की दक्षता में वृद्धि हुई है।

④ रक्षा निर्यात में लगभग 60% योगदान Pvt Sector द्वारा → MSME का विकास के लिए योजनाएँ चल रही हैं।

⑤ Defence Industrial Corridor → तमिलनाडु तथा झारखण्ड में बनाए गए हैं जो निर्यात में सहायता करते हैं।

⑥ विदेशी मंत्रालय तथा रक्षा मंत्रालय के सहयोग में वृद्धि।

⑦ विभिन्न देशों से बढ़ रहे लगातार राजनीतिक तथा इरनीतिक संबंध।

रक्षा निर्यात से रिश्तों में सुधार आता है तथा भारत की छवि वैश्विक पल पर मजबूत होती है।